भारत सरकार
कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या -3355
सोमवार, 16 दिसम्बर, 2024/25 अग्रहायण, 1946 (शक)

कौशल विकास परियोजना

3355. श्रीमती संगीता कुमारी सिंह देवः

क्या कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) ओडिशा में नए आईटीआई, पॉलिटेक्निक और विश्वकर्मा केन्द्रों जैसी अवसंरचना परियोजनाओं में कितनी प्रगति हुई है;

(ख) क्या सरकार राज्य-स्तरीय कौशल पहलों के कार्यान्वयन की निगरानी करती है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) ओडिशा में उद्योग-विशिष्ट प्रशिक्षण को बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं ?

उत्तर

कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) के अंतर्गत प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) मुख्य रूप से औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआइज) के माध्यम से कार्यान्वित शिल्पकार प्रशिक्षण योजना (सीटीएस) के संचालन हेतु उत्तरदायी है। आईटीआइज तथा पॉलिटेक्निक्स संबंधित राज्य सरकारों के प्रशासनिक और वित्तीय नियंत्रण में हैं।

हालांकि, डीजीटी ने ओडिशा राज्य सहित देश भर में आईटीआइज की स्थापना हेतु "वामपंथी अतिवाद (एलडब्ल्यूई) से प्रभावित 48 जिलों में कौशल विकास" योजना तथा पॉलिटेक्निक्स की स्थापना के लिए "पॉलिटेक्निक्स योजना"के तहत वित्तीय सहायता प्रदान की है । ऊपर उल्लिखित योजनाओं के तहत प्रगति का विवरण **अनुबंध** । में दिया गया है।

पीएम-विश्वकर्मा योजना को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए वित्तीय सहायता के साथ एक केंद्रीय क्षेत्रक योजना के रूप में कार्यान्वित किया गया है। विश्वकर्मा योजना के तहत नए अवसंरचना सृजित करने का कोई प्रावधान नहीं है। एमएसडीई (प्रधानमंत्री कौशल केंद्र (पीएमकेके), आईटीआइज, उद्योग समूह, अन्य केंद्र, आदि) और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) इकोसिस्टम (जैसे एमएसएमई प्रौद्योगिकी केंद्र, आईटीआई, खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी), आदि) में मौजूदा प्रशिक्षण अवसंरचना तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय (एमओआरडी) की सुविधाओं का उपयोग बुनियादी और उन्नत दोनों तरह के प्रशिक्षण के संचालन के लिए किया जा रहा है। पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत ओडिशा में कुल 82 सक्रिय प्रशिक्षण केंद्र हैं। इनका जिला-वार ब्यौरा **अनुबंध II** में दिया गया है।

(ख) तथा (ग) व्यावसायिक शिक्षा समवर्ती सूची का विषय है, और राज्य सरकारें समय-समय पर अपने स्वयं के राज्य-स्तरीय कौशल पहल संचालित करती हैं।

(घ) उद्योग-विशिष्ट प्रशिक्षण, प्रदान करने के लिए सरकार ने निम्नलिखित कदम उठाए हैं:

1) राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) द्वारा संबंधित क्षेत्रों में उद्योग जगत के विशेषज्ञों के नेतृत्व में 36 क्षेत्रक कौशल परिषदों (एसएससीज) की स्थापना की गई है, जिन्हें संबंधित क्षेत्रों की कौशल विकास आवश्यकताओं की पहचान करने के साथ-साथ कौशल योग्यता मानकों को निर्धारित करने का दायित्व सौंपा गया है। बाजार आधारित कार्यक्रम के तहत एनएसडीसी उन प्रशिक्षण प्रदाताओं को सहायता भी प्रदान करता है जो उद्योग की मांग के साथ कौशल पाठ्यक्रमों को सहयोग और संरेखित करते हैं।

2) संचार कौशल, स्व-प्रबंधन कौशल, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी कौशल, उद्यमशीलता कौशल और हरित कौशल सहित रोजगार कौशल को व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का अनिवार्य हिस्सा बनाया गया है।

3) शिल्पकार प्रशिक्षण योजना (सीटीएस) को देश भर में आईटीआइज के नेटवर्क के माध्यम से कार्यान्वित किया जाता है और यह उद्योगों के लिए कुशल जनशक्ति की एक सतत धारा प्रदान करने के लिए जिम्मेदार है। सीटीएस के तहत, 166 राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) अनुरूप पाठ्यक्रमों (व्यवसाय) में प्रशिक्षण दिया जाता है। नवीनतम तकनीकी उपकरणों और उद्योग की आवश्यकताओं को शामिल करने के लिए पाठ्यक्रम को नियमित रूप से अद्यतन किया जाता है। साथ ही, उभरती प्रौद्योगिकियों में भावी जॉब रोल्स की मांग को पूरा करने के लिए, डीजीटी ने ड्रोन प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) आदि जैसे क्षेत्रों में 29 न्यू एज पाठ्यक्रम विकसित किए हैं।

4) डीजीटी द्वारा दोहरी प्रशिक्षण प्रणाली (डीएसटी) और लोचशील समझौता-ज्ञापन (फ्लेक्सी एमओयू) योजनाएं आरंभ की गई हैं, जिसमें प्रशिक्षण का एक बड़ा हिस्सा 'प्रयोगात्मक' है और इसे उद्योग में ही प्रदान किया जाता है।

डीएसटी फ्रेमवर्क में, 1 और 2 साल की अवधि के सीटीएस पाठ्यक्रमों के लिए उद्योगों के भीतर ही 6 से 12 महीने की अवधि के लिए ऑन-द-जॉब प्रशिक्षण (ओजेटी) दी जाती है। यह व्यापक पद्दति आईटीआइज से सैद्धांतिक सीख को उद्योग में प्राप्त हैंड्स ऑन अनुभव तथा प्रैक्टिकल अनुभव के साथ एकीकृत करता है। ओडिशा राज्य में बत्तीस आईटीआइज डीएसटी के तहत कार्य कर रहे हैं, और 2023 में डीएसटी के तहत 1,438 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षित किया गया।

लोचशील समझौता-ज्ञापन (फ्लेक्सी एमओयू) योजना में, भागीदार संस्थान के परिसर में संपूर्ण प्रशिक्षण दिया जाता है जो या तो उद्योग या कौशल विश्वविद्यालय हैं। प्रशिक्षण पाठ्यक्रम उद्योग की आवश्यकताओं के अनुसार अनुकूलित और तैयार किए जाते हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रशिक्षण उस उद्योग के भीतर आवश्यक कौशल सेटों के साथ सटीक रूप से संरेखित हो। ओडिशा राज्य में, सेंचुरियन प्रौद्योगिकी तथा प्रबंधन विश्वविद्यालय, ओडिशा ने फ्लेक्सी एमओयू योजना के तहत एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, तथा कुल 5,393 छात्रों को प्रशिक्षण के लिए नामांकित किया गया है।

5) प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, 4.0 (पीएमकेवीवाई) के तहत भावी और न्यू एज पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण देने पर विशेष ध्यान दिया गया है। आज तक, ओडिशा राज्य में एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग (3डी प्रिंटिंग), एआई - डेटा इंजीनियर, एआई - मशीन लर्निंग इंजीनियर, एप्लीकेशन डेवलपर - वेब और मोबाइल, क्लाउड एडमिनिस्ट्रेटर, बैटरी सिस्टम रिपेयर तकनीशियन, ड्रोन सर्विस तकनीशियन, इलेक्ट्रिक व्हीकल सर्विस तकनीशियन, सोलर एलईडी तकनीशियन, सोलर पंप तकनीशियन, 5जी - एक्टिव नेटवर्क इंस्टॉलेशन तकनीशियन, आईओटी - सॉफ्टवेयर एनालिसिस, वीएलएसआई डिजाइन इंजीनियर आदि जॉब रोल्स में इस योजना के तहत लगभग 6,033 अभ्यर्थियों का नामांकन किया गया है।

अनबंध -I

लोक सभा के दिनांक 16.12.2024 के अतारांकित प्रश्न संख्या 3355 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध:

तालिका 1: ओडिशा राज्य में "वामपंथी अतिवाद से प्रभावित 48 जिलों में कौशल विकास" योजना के अंतर्गत स्थापित नए आईटीआइज की स्थिति

केन्द्रीय हिस्सा (रुपए करोड़ में)				
क्र.सं.	**जिला**	**आवंटित निधि**	**जारी निधि**	**निर्माण स्थिति**
1.	गजपति	3.99	3.99	संपूर्ण
2.	मल्कानगिरी	3.99	3.99	संपूर्ण
3.	रायगढ़	3.99	3.99	संपूर्ण
4.	देवगढ़ा	3.99	3.99	संपूर्ण
5.	संबलपुर	3.99	3.99	संपूर्ण
6.	कोरापुट	5.51	4.34	संपूर्ण
	कुल	**25.46**	**24.29**	

तालिका 2: ओडिशा राज्य में "पॉलिटेक्निक्स योजना" के तहत स्थापित नए पॉलिटेक्निक्स की स्थिति

क्र.सं.	**जिला**	**आवंटित निधि (रुपए करोड़ में)**	**जारी निधि (रुपए करोड़ में)**	**निर्माण स्थिति**
1.	अनुगुल	12.30	12.30	संपूर्ण
2.	बालासोर	12.30	12.30	संपूर्ण
3.	बारगढ़	12.30	12.30	संपूर्ण
4.	भद्रक	12.30	12.30	संपूर्ण
5.	बोलंगीर	12.30	12.30	संपूर्ण
6.	बौध	12.30	12.30	संपूर्ण
7.	देवगढ़ा	12.30	12.30	संपूर्ण
8.	गजपति	12.30	12.30	संपूर्ण
9.	जगतसिंहपुर	12.30	12.30	संपूर्ण
10.	जाजपुर	12.30	12.30	संपूर्ण
11.	कालाहांडी	12.30	12.30	संपूर्ण
12.	केंद्रपाड़ा	12.30	12.30	संपूर्ण
13.	खंडमल	12.30	12.30	संपूर्ण
14.	कोरापुट	12.30	12.30	संपूर्ण
15.	मल्कानगिरी	12.30	12.30	संपूर्ण
16.	मयूरभंज	12.30	12.30	संपूर्ण
17.	नवरंगपुर	12.30	12.30	संपूर्ण
18.	नयागढ़	12.30	12.30	संपूर्ण
19.	नुआपाड़ा	12.30	12.30	संपूर्ण
20.	पुरी	12.30	12.30	संपूर्ण
21.	संबलपुर	12.30	12.30	संपूर्ण
22.	सोनपुर	12.30	12.30	संपूर्ण
	कुल	**270.60**	**270.60**	

अनुबंध -II

लोक सभा के दिनांक 16.12.2024 के अतारांकित प्रश्न संख्या 3355 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध:

तालिका 3: ओडिशा में 'पीएम विश्वकर्मा' की प्रगति। पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत ओडिशा में 82 सक्रिय प्रशिक्षण केंद्रों का जिला-वार ब्यौरा

क्र. सं.	**जिला**	**प्रशिक्षण केंद्रों की संख्या**
1.	अनुगुल	1
2.	बोलांगीर	4
3.	बालेश्वर	6
4.	बारगढ़	3
5.	भद्रक	3
6.	बौध	1
7.	कटक	16
8.	देवगढ़ा	1
9.	धेंकनाल	3
10.	गंजम	6
11.	जगतसिंहपुर	1
12.	जाजपुर	1
13.	कालाहांडी	2
14.	कंधमाल	1
15.	केंद्रपाड़ा	1
16.	केंदुझर	1
17.	खुर्धा	5
18.	कोरापुट	3
19.	मल्कानगिरी	2
20.	मयूरभंज	2
21.	नवरंगपुर	1
22.	नयागढ़	4
23.	नुआपाड़ा	2
24.	पुरी	7
25.	रायगढ़ा	2
26.	संबलपुर	1
27.	सोनपुर	1
28.	सुंदरगढ़	1
सकल योग		**82**

*****